भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 734

उत्तर देने की तारीख- 04.12.2025

"आदि संस्कृति" डिजिटल अधिगम मंच

734. श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी :
श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा :
डॉ. विनोद कुमार बिंद :
श्री भोजराज नाग :
श्री यदुवीर वाडियार :
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया :
श्री राहुल सिंह लोधी :
श्री नव चरण माझी :

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) सरकार द्वारा शुरू किए गए ''आदि संस्कृति'' डिजिटल अधिगम मंच की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके बीटा संस्करण में कौन-कौन से प्रमुख घटक शामिल हैं;
(ख) क्या कोई जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) या अन्य संस्थान इस मंच के विकास, दस्तावेजीकरण या सामग्री संग्रह में शामिल हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार ने इस मंच को प्रमाणन या अनुसंधान के अवसर प्रदान करने वाले एक पूर्ण जनजातीय डिजिटल विश्वविद्यालय में विस्तारित करने के लिए कोई रूपरेखा तैयार की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) : 'आदि संस्कृति' डिजिटल अधिगम (शिक्षण) मंच के बीटा वर्जन का शुभारंभ 10 सितंबर 2025 को किया गया था। यह मंच अभी विकास के चरण में है और मंत्रालय व्यवसायिक पाठ्यक्रम के लिए एक शिक्षण (लर्निंग) प्रबंधन प्रणाली बनाने तथा प्रमाणित पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों को शामिल करने के अवसर तलाशने पर काम कर रही है।
(ख) : जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) जनजातीय भाषा के विशेषज्ञों की मदद से इस मंच के लिए पाठ्यक्रम चुनने, दस्तावेज़ीकरण और पाठ्यक्रम सामग्री का सत्यापन करने में शामिल हैं। पाठ्यक्रम सामग्री की सटीकता और असलियत बनाए रखने के लिए टीआरआई उनका पुनरीक्षण करते हैं।
(ग): सरकार इस मंच को पूरी तरह से डिजिटल जनजातीय विश्वविद्यालय बनाने के विकल्प तलाश रही है। वर्तमान में, जनजातीय कला रूपों को शामिल करके और बेहतर बनाने पर ध्यान केन्द्रित है।

*****